न्यूज डायरी

कोरोना के बाद एक और वायरस ने दी यूरोप में दस्तक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनियाभर में अभी कोरोना महामारी का कहर जारी है। अभी लोग कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं। इस बीच, यूरोप में कोरोना वायरस के बाद एक और नए वायरस ने दस्तक दी है। इससे ब्रिटेन में एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। मध्य इंग्लैंड में एक पोल्ट्री यूनिट में अत्यधिक खतरनाक एच5 बर्ड फ्लू के केस मिले हैं। देश के कृषि मंत्रालय ने सोमवार को इसकी पुष्टि की. समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी ये सभी संक्रमित पक्षी वारविकशायर में अलसेस्टर के पास एक पोल्ट्री फार्म में मौजूद हैं। संक्रमण को रोकने के लिए इन सभी पक्षियों को मार दिया जाएगा। बर्ड फ्लू का ये प्रकोप ऐसे समय पर सामने आया है, जब ब्रिटेन ने राष्ट्रव्यापी एवियन इंफ्लुएंजा प्रीवेंशन जोन घोषित किया है। इसके तहत फॉर्म और पक्षियों की देखरेख करने वाले लोगों को बायोसिक्योरिटी प्रतिबंधों को कड़ा करने को कहा गया है।

आतंकी टीटीपी के साथ पाकिस्तान ने किया सीजफायर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कुख्यात आतंकवादी संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (ज्ज्) से डरी पाकिस्तान सरकार ने सीजफायर समझौता कर लिया है। इस समझौते में मध्यस्थ की भूमिका अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी और अफगानिस्तान का आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने निभाई है। हक्कानी नेटवर्क के सरगना सिराजुद्दीन हक्कानी को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का पालतू कहा जाता है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने इस समझौते की पुष्टि की है। टीटीपी के प्रवक्ता मोहम्मद खुरसानी ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष मंगलवार से शुरू हुएए इस संघर्ष विराम की अवधि का सम्मान करेंगे। इसे दोनों पक्षों की सहमति से और आगे बढ़ाया जा सकता है। पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन (पीटीवी) पर फवाद चौधरी ने कहा कि रकार और प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच पूर्ण युद्धविराम हो गया है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से 200 दिन बाद लौटे चार अंतरिक्ष यात्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 200 दिन बिताने के बाद चार अंतरिक्षयात्री आखिरकार धरती पर वापस आ गए हैं। ये अंतरिक्षयात्री स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन कैप्सूल के जरिए फ्लोरिडा के पास मैक्सिको की खाड़ी में उतरे। हालांकि इनके डायपर पहनकर अंतरिक्ष से नीचे आने की खूब चर्चा हो रही है। नासा ने इन अंतरिक्षयात्रियों के धरती पर उतरने की पूरी घटना का लाइव टेलिकॉस्ट भी किया। धरती पर लौटने के दौरान इन अंतरिक्षयात्रियों को डायपर पहनना पड़ा था। दरअसल, एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के अंतरिक्ष यान क्रू ड्रैगन का टॉयलेट खराब हो गई थी। जिस कारण रास्ते में किसी भी परेशानी से बचने के लिए इन अंतरिक्ष यात्रियों को डायपर पहनकर यात्रा करने की सलाह दी गई थी।

चीन के इस जंगी जहाज से क्यों चिंतित हैं अमेरिका और भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन की सरकारी न्यूज वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि देश में एक लड़ाकू विमान जे–16 डी को असल युद्ध की स्थितियों का सामना करने के लिए रियल काम्बेट ट्रेनिंग पर भेज दिया है। इस विमान पर अमेरिका और भारत की पैनी नजर है। यह विमान चीन के जे–20 स्टेल्थ लड़ाकू विमान के साथ मैदान में उतरेगा। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, यह विमान युद्ध जैसी स्थितियों के लिए एक दम तैयार है। आखिर जे16 डी लड़ाकू विमान की क्या खासियत है। इस विमान से अमेरिका और भारत की चिंताए क्यों बढ़ गई है। इससे भारत और अमेरिका का सुरक्षा तंत्र कैसे प्रभावित होगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दुश्मनों के रडार जाम कर सकता है। इस विमान में इलेक्ट्रानिक सर्विलांस, कम्युनिकेशन डिस्ट्रप्शन और रडार जाम करने वाले उपकरण लगे हुए हैं।

भारत के मुकाबले पाकिस्तानी नौसेना कितनी शक्तिशाली ?

मंसूबे

चीन और तुर्की से युद्धपोत और पनडुब्बियां खरीद रहा है पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। भारत को घेरने की कोशिश में जुटा चीन अब पाकिस्तान को तरह–तरह के नए हथियार दे रहा है। चीन ने एक दिन पहले ही पाकिस्तानी नौसेना को अत्याधुनिक तकनीक से लैस टाइप–054 फ्रिग्रेट सौंपी है। यह युद्धपोत इतना घातक है कि सामान्य रडार इसे डिटेक्ट ही नहीं कर पाएंगे। इस युद्धपोत में लगीं मिसाइलें और सेंसर्स अरब सागर में भारत के लिए मुश्किलें खड़े कर सकते हैं। हालांकि, भारतीय नौसेना भी पाकिस्तान की बढ़ती ताकत को लेकर चौकन्नी है और पूरे अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी की निगरानी कर रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि पाकिस्तानी नौसेना भारत की नौसेना के मुकाबले कितनी शक्तिशाली है।

भारत का रक्षा बजट पाकिस्तान से चार गुना ज्यादाः दुनियाभर के देशों की सेनाओं की ताकत का विश्लेषण करने वाली वेबसाइट ग्लोबल फायर

इंडेक्स के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य ताकत में बहुत ज्यादा अंतर है। सैन्य ताकत के मामले में भारत दुनिया का चौथा सबसे शक्तिशाली देश है, जबकि इस लिस्ट में पाकिस्तान का स्थान 10वां है। भारत का रक्षा बजट 4.78 लाख करोड़ रुपये है, जबकि 1.37 लाख करोड़ रुपये है। इतना ही नहीं, भारत की हथियार खरीदने की क्षमता भी पाकिस्तान से करीब 10 गुना ज्यादा है।

तुर्की से एडा क्लास के चार युद्धपोत खरीद रहा पाकः पाकिस्तान ने तुर्की से चार एडा क्लास के कॉर्वेट्स खरीदे हैं। इसमें से अंतिम कॉर्वेट को बनाने का काम दो दिन पहले ही कराची में शुरू किया गया है। तुर्की ने मध्यम श्रेणी के एडा क्लास की कॉर्वेट का निर्माण शुरू में अपनी नौसेना के लिए किया था। बाद में पाकिस्तान के साथ हुई डील में इसमें से दो को कराची में बनाया जा रहा है।

एडा क्लास की परियोजना के जरिए बहुउद्देशीय कॉर्वेट और फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। यह युद्धपोत टोही, सर्विलांस, अर्ली वॉर्निंग, एंटी सबमरीन वॉरफेयर जैसे मिशन को अंजाम दे सकती है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी तैनात होती हैं। इस परियोजना के तहत तुर्की पाकिस्तान की नौसेना के लिए चार जिन्ना–श्रेणी के फ्रिगेट भी बना रहा है।

पाकिस्तान ने चीन के साथ 7 अरब डॉलर की डील कीः बता दें कि चीन और पाकिस्तान के बीच दोस्ती गहराती हुई नजर आ रही है। चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव में चीन–पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर एक अहम हिस्सा है, दोनों देशों के बीच सैन्य हथियारों को लेकर भी कई डील हुई हैं। चीन से मिल रहे युद्धपोत से पाकिस्तानी नौसेना बेहद घातक हो जाएगी जो भारत के लिए खतरे की घंटी है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी नौसेना अपनी ताकत को बढ़ाने के लिए चीनी डिजाइन पर आधारित टाइप 039 बी युआन क्लास की पनडुब्बी खरीद रही है।

भारत के लिए खुशखबरी, कोवैक्सीन को मान्यता देगा ब्रिटेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटिश सरकार भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को मान्यता देने जा रही है। इस वैक्सीन को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कुछ दिनों पहले ही अपनी स्वीकृति दी थी। 22 नवंबर को कोवैक्सीन ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए स्वीकृत कोविड–19 वैक्सीन की लिस्ट में शामिल हो जाएगी। इसे भारत के लिए गुड न्यूज माना जा रहा है। भारत सरकार लंबे समय से इस वैक्सीन की स्वीकृति के लिए प्रयास कर रही थी। ब्रिटिश सरकार से कोवैक्सीन को मान्यता मिलने से सबसे ज्यादा लाभ भारतीयों को होगा। इसका अर्थ यह हुआ कि जिन लोगों ने भारत बायोटेक की बनाई कोवैक्सीन की दोनों खुराक ली हैं, उन्हें ब्रिटेन आने के बाद क्वारंटीन में नहीं रहना होगा। यह फैसला 22 नवंबर तड़के चार बजे से लागू होगा। भारत में निर्मित ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका के कोविड–19 रोधी टीके कोविशील्ड को ब्रिटेन में स्वीकृत टीकों की सूची में पिछले महीने शामिल किया गया था। ब्रिटेन के परिवहन मंत्री ग्रांट शैप्स ने कहा कि हम वैश्विक महामारी से उबर रहे हैं और मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय टीकों की संख्या में विस्तार कर रहे हैं। ऐसे में आज की घोषणा अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुनरू आरंभ करने की दिशा में अगला कदम है।

कर्नल जहीर जिन्हें 50 साल से ढूंढ रहा है पाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसे अगर पाकिस्तानी हुक्मरानों ने देखा होगा तो उनकी नींद जरूर उड़ गई होगी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के हीरो और पाकिस्तानी सेना में कर्नल रहे काजी सज्जाद अली जहीर को पद्मश्री से सम्मानित किया है। 1971 युद्ध की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत में बांग्लादेश के पूर्व उच्चायुक्त मुअज्जम अली को भी तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया। कर्नल जहीर ने पाकिस्तानी सेना के कई खुफिया दस्तावेजों को भारत को सौंपा था। इतना ही नहीं उन्होंने बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के हजारों लड़ाकों को सैन्य ट्रेनिंग भी दी थी।

पृथ्वी से टकराती सोलर फ्लेयर्स से निकल रही अनोखी रोशनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से धरती पर लौटते समय ली गई एक अनोखी तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। इस तस्वीर को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री थॉमस पेस्केट ने खींची है। देखने में यह तस्वीर किसी साइंस फिक्शन मूवी के किसी सीन की तरह लग रही है, लेकिन यह वास्तविक है। थॉमस पेस्केट ने यह तस्वीर तब खींची, जब सूरज से निकला सौर तूफान पृथ्वी के वायुमंडल से टकरा रहा था। इस कारण पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर यह चमकदार रंगीन रोशनी दिखाई दी। इसे औरोरा या फिर ध्रुवीय ज्योति के नाम से जाना जाता है। थॉमस पेस्केट ने ट्विटर पर लिखा कि हमने उत्तरी अमेरिका और कनाडा के ऊपर मजबूत अरौरो रोशनी को देखा है। हमारी कक्षा की तुलना में इस रोशनी में अद्भुत चमक दिखी है। हमने इस औरोरा के केंद्र के ऊपर से उड़ान भरी। इस दौरान हमें सोलर फ्लेयर्स की तेज लहरें दिखाई दीं। उनके ट्वीट को अबतक 26,000 से अधिक लाइक और 5,000 के करीब रीट्वीट किया गया है।

फ्रांसीसी अंतरिक्ष यात्री ने शेयर की तस्वीर

क्या होता है औरोराः इस रोशनी को Aurora Australis ;k South-ern Light कहते हैं। इसका निर्माण पृथ्वी की मैग्नेटिक शील्ड और सौर हवाओं के कारण होता है। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस अद्भुत नजारे की तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में बाईं ओर आईएसएस के सोलर पैनल नजर आ रहे हैं, जिसके सामने चुंबकीय रोशनी को देखा जा सकता है। हरे रंग की रोशनी पतली रेखाओं के रूप में दिखाई दे रही है।

औरोरा कब दिखता हैः औरोरा तब प्रकट होता है जब पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र चौनल के इलेक्ट्रिकली चार्ज्ड सोलर पॉर्टिकल्स ध्रुवों की ओर जाते हैं। यहां ये कण पृथ्वी के वायुमंडल के साथ परस्पर क्रिया करते हैं।

ताइवान ने विवादित दक्षिण चीन सागर में भेजी पनडुब्बी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। चीन और ताइवान के बीच तनाव तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस बीच, चीव की धमकी के बाद ताइवान की ओर से विवादित दक्षिण चीन सागर में एक पनडुब्बी भेजी गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि उसने अपने विवादित दक्षिण चीन सागर द्वीप ताइपिंग के पास सैन्य अभ्यास में भाग लेने के लिए एक हाई लुंग पनडुब्बी भेजी है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवान पर पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बजाय कम्युनिस्ट शासन ताइपिंग और ताइवान के अन्य द्वीप डोंगशा पर नियंत्रण करने की कोशिश कर सकता है। लिबर्टी टाइम्स ने बताया कि तटरक्षक प्रशासन द्वीपों के पास गश्त के लिए जहाजों को भेजता है लेकिन नौसेना के हाई लुंग ने क्षेत्र में नियमित अभ्यास में भाग लिया। चीनी सेना के हमले के मंडराते खतरे के बीच ड्रैगन ने एक बार फिर से ताइवान की सीमा के पास पिछले 24 घंटे में 20 फाइटर जेट भेजे हैं।